सेमीफाइनल में पहुंची वीनस विलियम्स, बनी सबसे ज्यादा उम्र की खिलाड़ी

अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

- अमेरिका की इस धुरंधर खिलाड़ी ने रूस की अनास्तासिया को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।
- इसके साथ ही वह 23 साल में किसी ग्रैंड स्लैम के अंतिम चार में पहुंचने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हो गई।

- 36 साल की वीनस ने इस मुकाबले को 6-4, 7-6 से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाई । अब वह अमेरिका की कोको वेंडेवेगे या फ्रेंच ओपन चैम्पियन गारबाइन मुबुरूजा से खेलेगी।
- इससे पहले 1994 में मार्तिना नवरातिलोवा 37 साल की उम्र में विम्बलडन सेमीफाइनल में पहुंची थी। वीनस पिछले साल विम्बलडन सेमीफाइनल में पहुंची थीं।
- ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंचने के लिए वीनस विलियम्स को 14 साल लग गए। वीनस आखिरी बार 2003 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थी।

ट्रंप ने अमेरिका को ट्रांस पेसिफिक पार्टनरशिप समझौते से किया अलग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को ट्रांस-पेसिफिक पार्टनरशिप (टीपीपी) व्यापार समझौते से औपचारिक रूप से हटा लिया।

- उन्होंने 12 देशों के व्यापार समझौते की वार्ता प्रक्रिया से वापसी के आदेश पर दस्तखत किये।
- यह पहल उनके पूर्ववर्ती बराक ओबामा की बड़ी अंतरराष्ट्रीय व्यापार परियोजनाओं में से एक थी।

- ट्रंप ने टीपीपी से अमेरिका के हटने के आदेश पर दस्तखत करने के बाद कहा, हम लंबे समय से इस बारे में बात कर रहे थे।
- यह अमेरिकी श्रमिकों के लिए बहुत अच्छा वक्त है।
- ट्रंप ने अपने प्रचार अभियान में इस बारे में वादा किया था।
- उन्होंने दलील दी थी कि यह अमेरिकी कर्मियों और निर्माण क्षेत्र के लिए नुकसानदेह सौदा है।
- शीर्ष रिपब्लिकन सीनेटर जॉन मैकेन ने ट्रंप के फैसले को त्रुटि करार दिया है।

मंत्रिमंडल ने देश में ग्रामीण आवास को बढ़ावा देने के लिये क्रांतिकारी नई योजना को मंजूरी दी

राष्ट्रिय खबर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने देश में ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए आज एक नई योजना का अनुमोदन कर दिया है। इस योजना के तहत सरकार ब्याज सब्सिडी उपलब्ध कराएगी। ब्याज सब्सिडी ऐसे प्रत्येक ग्रामीण परिवार के लिये उपलब्ध होगी, जो प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के दायरे में नहीं है।

- इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में लोग नये मकान बना सकेंगे या अपने मौजूदा पक्के मकानों का विस्तार कर सकेंगे। योजना के अंतर्गत ऋण लेने वाले लाभार्थियों को दो लाख रूपये तक की ऋण राशि पर ब्याज-सब्सिडी दी जाएगा।
- इस योजना से बड़ी संख्या में ग्रामीणजनों को लाभ होगा तथा दीर्घकालिक 24 वर्षों के लिए ऋण प्राप्त होगा।
- राष्ट्रीय आवास बैंक इस योजना को कार्यान्वित करेगी। सरकार, राष्ट्रीय आवास बैंक को 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान का वर्तमान मूल्य सीधे प्रदान करेगी और इसके बदले, यह बैंक ब्याज सब्सिडी की राशि प्राथमिक ऋणदाता संस्थाओं (अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों इत्यादि) को अंतरित करेगी। इसके परिणामस्वरूप, लाभार्थी के लिये मासिक किश्त कम हो जाएगी।
- योजना के अंतर्गत सरकार वर्तमान व्यवस्थाओं के माध्यम से लाभार्थियों को तकनीकी सहायता सहित प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीणके साथ उचित समन्वय के आवश्यक उपाय भी करेगी। इस नई योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में आवासीय इकाइयों में सुधार के साथ, ग्रामीण आवास क्षेत्रमें रोजगार सृजन भी होगा।

उमा भारती ने एनपीसीसी को नमामि गंगे से जुड़ने का किया आह्वान कंपनी के नये कार्यालय परिसर का गुरूग्राम में उद्घाटन

राष्ट्रिय खबर

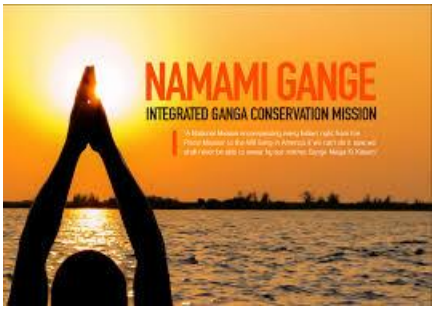

केन्द्रीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री सुश्री उमा भारती ने अपने मंत्रालय के उपक्रम एनपीसीसी से कहा है कि वह नमामि गंगे कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं में सक्रियता से भाग ले। आज हरियाणा में गुरूग्राम में नेशनल प्रोजेक्टस कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनपीसीसी) के नए कार्यालय परिसर का उदघाटन करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को सक्षम बनाना चाहती है। उन्होंने कहा 'एनपीसीसी के विलय का एक प्रस्ताव आया था, लेकिन हम इसके पक्ष में नहीं है। क्योंकि हम प्रत्येक उपक्रम को सक्षम बनाने में विश्वास रखते है।'

राष्ट्रिय खबर

- सुश्री भारती ने कहा कि उनका मंत्रालय गंगा की निर्मलता और अविरलता को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री महोदया ने कहा कि नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि शहरों की गंदगी गंगा में न जाए और इसे साफ करने के लिए पर्याप्त मात्रा में जल शोधन संयंत्र लगाए जाएं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि गंगा पर घाट बनाने और सीढियों की मरम्मत का काम आम जनता का काम होना चाहिए। सुश्री उमा भारती ने कहा कि इस काम में साधु महात्माओं को भी आगे आना चाहिए।
- जल संसाधन मंत्रालय के सचिव श्री अमर जीत सिंह ने कहा कि दूरदराज के उन इलाकों में जहां कोई काम नहीं करना चाहता वहां एनपीसीसी ने अपने झंडे गाड़े है। उन्होंने कहा कि एनपीसीसी ने अभी तक बहुत अच्छी गुणवत्ता का काम किया है और उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में यह गुणवत्ता और बढ़ेगी।
- एनपीसीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री एच एल चौधरी ने विस्तार से निगम की उपलब्धियों के बारे में बताया और कहा कि निगम की पिछले 4-5 वर्षों की उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए आर्थिक अध्ययन संस्थान ने निगम को वर्ष 2016 में उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह सब केवल निगम के कर्मचारियों, शेयर धारकों, ग्राहकों और हितधारकों के सहयोग के सामूहिक प्रयासों की वजह से ही हासिल किया जा सका है।
- नेशनल प्रोजेक्ट्स कंसट्रक्शन कारपोरेशन लिमिटेड (एनपीसीसी) की स्थापना 9 जनवरी 1957 को एक प्रमुख निर्माण कंपनी के रूप में जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय के तहत सिंचाई और जल संसाधन, बिजली और भारी उद्योगों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में देश के आर्थिक विकास के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार करने के उद्देश्य से की गई थी। एनपीसीसी को आईएसओ 9001-2008 के मानक के आधार पर थर्मल और हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजनाओं के सिविल कार्यों, नदी घाटी परियोजनाओं, औद्योगिक संरचनाओं तथा भवनों,आवासों, सड़कों, पुलों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के परियोजना प्रबंधन परामर्श सेवाओं के निष्पादन के लिए जाना जाता है। निगम पिछले पांच वर्षों से लाभ में चल रहा है। एनपीसीसी "मिनी रत्न" का दर्जा हासिल कर नई ऊंचाई हासिल करने के लिए तैयार हो रहा है। निगम को आईसीआरए ने ए+ कंपनी की क्रेडिट रेटिंग से सम्मानित किया है।
- वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान कंपनी ने 1500 करोड़ रूपये के लक्ष्य से अधिक 1510 करोड़ रूपये का कार्य हासिल किया है। इस दौरान कंपनी ने 1002 करोड़ रूपये का कारोबार किया। कंपनी का कर पूर्व लाभ पिछले वर्ष 12.89 करोड़ रूपये था जबकि इस वर्ष यह 21.10 करोड़ रूपये रहा और कर के बाद लाभ 10.81 करोड़ रूपये था। इस वर्ष के दौरान कंपनी ने 11 रूपये प्रति इक्विटी शेयर लाभांश भुगतान किया है।

26-31 जनवरी, 2017 तक लाल किले में 'भारत पर्व' का आयोजन किया जाएगा

गणतंत्र दिवस 2017 के आयोजन के तहत भारत सरकार द्वारा दिल्ली के लालकिले पर 26 से 31 जनवरी, 2017 के दौरान भारत पर्व का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के विचार को लोकप्रिय बनाने के तहत देशभक्ति की भावना को जागृत करना, देश की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देना और आम जन की व्यापक भागीदारी को सुनिश्चित करना है।

- पर्यटन मंत्रालय को इस कार्यक्रम के लिए नोडल मंत्रालय के रूप में नामित किया गया है। इस आयोजन में गणतंत्र दिवस परेड़ की झांकी, सशस्त्र बलों के बैंड द्वारा प्रस्तुति (स्थिर और चलित), फूड-कोर्ट, शिल्प मेला, देश के विभिन्न क्षेत्रों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति और सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा एक फोटो प्रदर्शनी को प्रदर्शित किया जाएगा।
- सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में देशभर के लोकनृत्य/आदिवासी नृत्य और संगीत को शामिल किया गया है। इनमें उत्तर क्षेत्रीय सांस्कृतिक क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के सांस्कृतिक दलों द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएगी। फूड-कोर्ट में राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों, नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया (एनएएसवीआई) के 50 स्टॉल लगाये जाएगे, जिनमें विभिन्न राज्यों के व्यंजन के साथ-साथ होटल प्रबंधन संस्थान और आईटीडीसी के व्यंजनों का लुत्फ उठाया जा सकेगा। शिल्प मेले में 50 से ज्यादा स्टॉल लगाये जाएगे, जो देश की हस्तशिल्प विविधता को प्रदर्शित करेगे। इसका प्रबंधन राज्य सरकारों तथा वस्त्र मंत्रालय के द्वारा हस्तशिल्प विकास आयुक्त के कार्यालय के माध्यम से किया जाएगा। सूचना और प्रसारण मंत्रालय भी 'मेरा देश बदल रहा है, आगे बढ़ रहा है' पर एक फोटो प्रदर्शनी को प्रदर्शित करेगा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण गणतंत्र दिवस परेड़ की वह झांकी होगी, जिसे समारोह स्थल पर प्रदर्शित किया गया होगा।
- भारत पर्व कार्यक्रम का उद्घाटन 26 जनवरी, 2017 को शाम 5 बजे किया जाएगा और 26 जनवरी, 2017 को यह आम जनता के लिए शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहेगा। 27 जनवरी, 2017 से 31 जनवरी, 2017 तक यह दोपहर 12 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहेगा। इस कार्यक्रम में आम जनता को निशुल्क प्रवेश दिया जाएगा, हालांकि प्रवेश के लिए पहचान पत्र साथ में होना जरूरी है।

एनसीपीसीआर देश में बाल अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए लघु फिल्मि, फोटोग्राफ तथा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन करेगा

राष्ट्रीय खबर

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) देश में बाल अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए अखिल भारतीय लघु फिल्म, स्टील फोटोग्राफ और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है।

- इसके लिए आयोग ने फिल्म निर्माताओं, प्रोड्यूसरों, कलाकारों तथा उन भारतीय नागरिकों से प्रविष्टियां आमंत्रित की हैं, जिनकी उम्र 18 साल से अधिक है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कोई प्रवेश शुल्क नहीं है। लघु फिल्मों के लिए प्रविष्टियों का शीर्षक हिन्दी या अंग्रेजी किसी भी भाषा में हो सकता है।
- इस प्रतियोगिता के लिए विस्तृत नियमों और शर्तों को एनसीपीसीआर की वेबसाइट www.ncpcr.gov.in पर देखा जा सकता है और प्रविष्टियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि 13 फरवरी,2017 है।
- प्रतियोगिता की हर श्रेणी के लिए प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किये जाएंगे। लघु फिल्म के लिए प्रथम पुरस्कार के रूप में एक लाख रूपये, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार के लिए क्रमश: 75,000 रूपये तथा 50,000 रूपये प्रदान किये जाएंगे। सभी श्रेणियों के विजेताओं को 5 मार्च, 2017 को आयोग के स्थापना दिवस समारोह में एक कार्यक्रम के दौरान पुरस्कृत किया जाएगा।
- यह पहली बार है कि वर्ष 2007 में अपने अस्तित्व में आने के बाद बाल अधिकारों की यह संस्था इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन कर रही है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस 24 जनवरी को देश भर में मनाया गया

राष्ट्रीय खबर

राष्ट्रीय बालिका दिवस 24 जनवरी 2017 को संपूर्ण भारत में मनाया गया. कन्या शक्ति को लोगों के सामने लाने तथा उसके प्रति समाज में जागरूकता और चेतना पैदा करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने वर्ष 2008 में 24 जनवरी को प्रति वर्ष 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' मनाने का निर्णय लिया था.

- आज की बालिका जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रही है चाहे वो क्षेत्र खेल हो या राजनीति, घर हो या उद्योग. राष्ट्रमण्डल खेलों के स्वर्ण पदक हो या मुख्यमंत्री और राष्ट्रपति के पद पर आसीन होकर देश सेवा करने का काम हो सभी क्षेत्रों में लड़कियाँ समान रूप से भागीदारी ले रही है.
- आज बालिका प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रही है लेकिन आज भी वह अनेक कुरीतियों का शिकार हैं. ये कुरीतियों उसके आगे बढ़ने में बाधाएँ उत्पन्न करती है.
- पढ़े-लिखे लोग एवं जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है. आज हज़ारों लड़कियों को

जन्म लेने से पहले ही मार दिया जाता है या जन्म लेते ही लावारिस छोड़ दिया जाता है.

- आज भी समाज में कई घर ऐसे हैं, जहाँ बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जा रही है. समाज में आज भी बालक और बालिकाओं में भेदभाव किया जा रहा है.
- इनसभी भेदभाव को खत्म करने के लिए ही राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है.
- राष्ट्रीय बालिका दिवस के दिन हमें लड़का-लड़की में भेद नहीं करने और समाज के लोगों को लिंग समानता के बारे में जागरूक करने की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए.
- देश में लड़कियों की घटती संख्या को देखते हुए ही राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाने लगा है.
- बालिकाओ की पोषण, सेहत और पढ़ाई जैसी चीज़ों पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है जिससे की बड़ी होकर वे शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और भावनात्मक रूप से आत्मनिर्भर तथा सक्षम बन सकें.

इज़राइल ने येरूशलेम में 566 घरों के निर्माण हेतु मंजूरी प्रदान की

इज़राइल ने 22 जनवरी 2017 को पूर्वी येरूशलेम में 566 आबादघरों के निर्माण को मंजूरी प्रदान की | इज़राइल ने इस क्षेत्र को 1967 में फिलिस्तीन से हुए संघर्ष के पश्चात् जीता था तथा 1980 में इस पर आधिपत्य स्थापित कर लिया |

- योजना के अनुसार नए परमिट रामोट नेबरहुड, पिसगाट ज़ीव तथा रामोट शलोमो में यह घर बनाये जायेंगे |
- शहर के डिप्टी मेयर मीर तुर्जेमन के अनुसार यह योजनाएं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा कार्यभार सँभालने तक टाल दी गयी थीं | तुर्जेमन इस योजना समिति के अध्यक्ष भी थे |

- इसके अतिरिक्त पूर्वी येरुशलम में लगभग 11,000 घर बनाये जा रहे हैं. हालांकि यह नहीं बताया गया है कि इस योजना के तहत लोगों की रिहाइश कब आरंभ होगी. योजना के अनुमोदन का फिलिस्तीनी नेताओं द्वारा निंदा की गयी है |